राष्ट्रीय कार्यशाला

जबलपुर पब्लिक कॉलेज द्वारा दिनाँक 6 मार्च से 9 मार्च 2019 को 4 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला "Development and Standardization of Tools in Research" का आयोजन Association of Teacher Education (ATE) के सहयोग से सफलतापूर्वक किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ दिनाँक 6/3/2019 को प्रातः 11 बजे मुख्य अतिथि डॉ. कपिल देव मिश्र (कुलपति), रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि डॉ. डी.एन. सनसनवाल, पूर्व डीन, रानी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, डॉ. शोभा सिंह, अध्यक्ष (ATE) श्री प्रवीण वर्मा महाविद्यालय प्रबंधक, जबलपुर पब्लिक कॉलेज द्वारा माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

विशेषज्ञों के रूप में डॉ. के बटारा, श्रीमती विमला भोडेले, डॉ. जी. गिल, श्रीमती आशा रिछारिया, प्रो भूपेन्द्र निगम, डॉ. पी.एल. मिश्रा, प्रो. एस.के. मेहता, श्री जी.के. जूडा उपस्थित थे।

महाविद्यालय प्रबंधक श्री प्रवीण वर्मा द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. कपिल देव मिश्र का स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए स्वागत किया गया। श्री विपिन पांडे द्वारा डॉ. डी.एन. सनसनवाल का स्वागत पुष्प स्मृति चिन्ह द्वारा स्वागत किया गया।

डॉ. शोभा सिंह का स्मृति चिन्ह द्वारा, डॉ. रश्मि सिंह द्वारा स्वागत किया गया। तत्पश्चात् श्री प्रवीण वर्मा जी का स्वागत श्री विनोद पात्रों द्वारा किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. श्वेता पांडे का स्वागत डॉ. मीनाक्षी श्रीवास्तव द्वारा किया गया। प्रो. निवेदिता पॉल का स्वागत श्रीमती प्रियंका ताम्रकार द्वारा किया गया।

स्वागत की इसी बेला में मंच के सम्मुख आसीन विशेषज्ञों श्रीमती के. बटारा, श्रीमती विमला भोडले, श्रीमती आशा रिछारिया एवं डॉ. जी. गिल का स्वागत, प्रो. निवेदिता पॉल द्वारा किया गया। प्रो. भूपेन्द्र निगम, प्रो. एस.के. मेहता, श्री जी.के. जूडा, डॉ. पी.एल. मिश्रा का स्वागत, महाविद्यालय प्रबंधक श्री प्रवीण वर्मा द्वारा किया गया।

इसी क्रम में प्रो. निवेदिता पॉल द्वारा स्व. जी.एस. मिश्रा सर को श्रृद्धांजली दी गई तथा 2 मिनिट का मौन सभागार में रखा गया। तत्पश्चात् प्रो. निवेदिता पॉल द्वारा महाविद्यालय की विकास यात्रा (1997–2019) की प्रगति एवं कार्यशाला की उपयोगिता एवं उसके उद्देश्यों से उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया। इसके उपरांत डॉ. कपिल देव मिश्र ने उपकरणों की शोध में महत्ता को स्वीकार करते हुए, संबंधित विषय का, कार्यशाला हेतु चयन करने पर

महाविद्यालय प्रबंधन की भूरि–भूरि प्रशंसा की। डॉ. डी.एन. सनसनवाल ने उपकरणों के साथ–साथ शोध कार्य हेतु किन–किन पदों को ध्यान में रखना है इस पर अपने विचार प्रस्तुत करे। डॉ. शोभा सिंह ने ATE के विकास, उनके कार्यों से कार्यशाला सदस्यों एवं शिक्षकों को अवगत कराया तत्पश्चात् कार्यशाला के प्रथम सत्र में आभार प्रदर्शन डॉ. श्वेता पाण्डे द्वारा किया गया।

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में डॉ. डी.एन. सनसनवाल द्वारा कार्यशाला पर आधारित विषय पर अध्यापन कार्य प्रारंभ कर दिया गया।

इसी क्रम में दिनांक 7 मार्च, 8 मार्च, 9 मार्च को शोध के विभिन्न चरण एवं उपकरण के मानकीकरण के प्रक्रिया को सविस्तार वर्णन किया गया। जिसके अन्तर्गत उपरकरण का चयन करते समय रखी जाने वाली सावधानियाँ, उपकरण की वैद्यता एवं विश्वसनीयता का मापन एवं उनकी विधियाँ, कठिनाई का स्तर का मापन एवं विभेदन मूल्य को ज्ञात करना एवं उपकरण में इसकी उपयोगिता एवं महत्व को सविस्तार समझाया गया। कार्यशाला का समापन दिनाँक 9 मार्च 2019 को डॉ. श्वेता पाण्डे द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ का सहयोग सराहनीय रहा।